एन0एस0एस0 (राष्ट्रीय सेवा योजना) द्वारा चलाया गया स्वच्छता अभियान

आख्या– दिनांक 20 सितम्बर 2024

महाविद्यालय परिसर में एन0एस0एस0 (राष्ट्रीय सेवा योजना) द्वारा चलाए गए स्वच्छता अभियान का नेतृत्व श्रीमती पुष्पा, जो सहायक आचार्य और एन0एस0एस0 प्रभारी हैं, ने किया। प्राचार्य डॉ0 अजिता दीक्षित की अध्यक्षता में इस अभियान के दौरान महाविद्यालय के विद्यार्थियों और स्टाफ ने परिसर को स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। स्वच्छता अभियान का उद्देश्य न केवल परिसर की साफ–सफाई करना था, बल्कि समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना भी था।

इस तरह के अभियानों से छात्रों में सामाजिक जिम्मेदारी का विकास होता है और स्वच्छता की आदत को बढ़ावा मिलता है, जिससे एक स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण का निर्माण किया जा सकता है। स्वच्छता अभियान में स्वयंसेवकों की भागीदारी बहुत उत्साहपूर्ण और सराहनीय रही। बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने स्वेच्छा से इसमें हिस्सा लिया और महाविद्यालय परिसर की सफाई में महत्वपूर्ण योगदान दिया। छात्रों ने परिसर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कक्षाओं, गलियारों और रास्तों की सफाई की और कूड़ा–कचरा हटाया।

साथ ही, छात्रों ने प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, कचरे का उचित प्रबंधन करने और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के महत्व को समझा। कुछ छात्र समूहों ने स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पोस्टर और स्लोगन भी तैयार किए, जिससे अभियान और प्रभावी और प्रेरक बना।

अभियान ने छात्रों को न केवल स्वच्छता के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया, बल्कि उनमें टीम वर्क, नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी विकसित की। कुल मिलाकर, छात्रों की भागीदारी ने इस स्वच्छता अभियान को सफल और प्रभावी बनाया।

एन0एस0एस0 प्रभारी श्रीमती पुष्पा के नेतृत्व में चलाए गए स्वच्छता अभियान का परिणाम अत्यंत सकारात्मक और प्रभावशाली रहा। प्रमुख परिणाम इस प्रकार थे–

महाविद्यालय परिसर की स्वच्छता– अभियान के बाद महाविद्यालय परिसर स्पष्ट रूप से स्वच्छ और सुंदर दिखाई देने लगा। छात्रों और स्टाफ ने मिलकर कचरा, प्लास्टिक और अन्य अनचाही वस्तुओं को हटा दिया, जिससे परिसर का वातावरण साफ–सुथरा हो गया।

जागरूकता का प्रसार – छात्रों और स्टाफ के बीच स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ी। इस अभियान ने उन्हें दैनिक जीवन में स्वच्छता बनाए रखने और सार्वजनिक स्थानों की साफ–सफाई के प्रति जिम्मेदारी निभाने के महत्व को समझाया।

पर्यावरणीय सुधार– अभियान के तहत छात्रों ने प्लास्टिक उपयोग को कम करने और कचरे के सही निपटान के प्रति जागरूकता प्राप्त की। इससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक संदेश प्रसारित हुआ।

सामुदायिक भावना का विकास– इस अभियान ने छात्रों में टीम वर्क, नेतृत्व और सामुदायिक सेवा की भावना को प्रोत्साहित किया। उन्होंने मिलकर काम किया और एकजुटता का प्रदर्शन किया।

स्वच्छता की आदत का विकास– यह अभियान केवल एक बार की सफाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि छात्रों और महाविद्यालय के अन्य सदस्यों में स्वच्छता की आदत विकसित करने की प्रेरणा दी। भविष्य में भी परिसर को स्वच्छ और पर्यावरण–अनुकूल बनाए रखने की दिशा में यह अभियान एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

कुल मिलाकर, यह अभियान महाविद्यालय के लिए एक सकारात्मक और प्रेरणादायक पहल साबित हुआ, जिससे सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक और जिम्मेदार बनने का अवसर मिला।